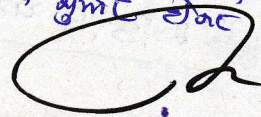


2/7/18

कोटा संभाग, कोटा  
 पत्रां पेश करी। अर्थात् एवं उक्त कृषिभाष्य उपर गली है।  
 वेल्पो. भी कृषुं है। अर्थात् उक्त कृषिभाष्य को 2-3  
 बार कावाज दिनादि ग्री. ले किन कोई उपर गली उपे, कपिल  
 लाभ लाभदि के प्रथम पुनः कावाज दिनादि ग्री. ले किन कोई  
 उपर गली उपे। अतः कपील कपील अर्थात् ए. जिरी कपील  
 कपील के स्वामीजी लीजाली है। निम्न शुभात् उक्त कावाज  
 एकाधिक कारिका (पत्रां)



संभागीय आयुक्त  
 कोटा संभाग, कोटा